This question paper contains **8** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2910**

Unique Paper Code : **2131102** **F-1**

Name of the Paper : **Sanskrit Literature—Poetry**

संस्कृत साहित्य-काव्य

Name of the Course : **B.A. (Hons.), Sanskrit (DC-1.2)**

Semester : **I**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : Unless otherwise required in a question, answer should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत **या** हिंदी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिये।

Answer *All* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग 'क'

Section 'A'

1. अधोलिखित पद्यों का सप्रसङ्ग अनुवाद कीजिये : 3×2=6

Translate the following verses with reference to context :

(क) वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये।

जगतः पितरौ वन्दे पार्वतीपरमेश्वरौ॥

P.T.O.

अथवा

(Or)

रघूणामन्वयं वक्ष्ये तनुवाग्विभवोऽपि सन्।

तद्गुणैः कर्णमागत्य चापलाय प्रचोदितः॥

(ख) व्यूढोरस्को वृषस्कन्धः शालप्रांशुर्महाभुजः।

आत्मकर्मक्षमं देहं क्षात्रो धर्म इवाश्रितः॥

अथवा

(Or)

द्वेष्योऽपि संमतः शिष्टस्तस्यार्तस्य यथौषधम्।

त्याज्यो दुष्टः प्रियोऽप्यासीदङ्गुलीवोरगक्षता॥

2. निम्नलिखित पद्यों में से किसी **एक** की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए : 6

Explain any *one* of the following verses with reference to the context :

(*i*) मन्दः कवियशः प्रार्थी गमिष्याम्युपहास्यताम्।

प्रांशुलभ्ये फले लोभादुद्बाहुरिव वामनः॥

(*ii*) ज्ञाने मौनं क्षमा शक्तौ त्यागे श्लाघाविपर्ययः।

गुणा गुणानुबन्धित्वात् तस्य सप्रसवा इव॥

3. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिये : 4

Write a note on any *one* of the following :

(क) रघुवंशी राजाओं की सामान्य विशेषतायें।

General virtues of the kings of Raghu clan.

(ख) राजा दिलीप के प्रजापालन सम्बन्धी गुण।

Characteristics of Dilip as a welfare king.

भाग 'ख'

Section 'B'

4. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 6×2=12

Explain the following with reference to the context :

(क) अपि क्रियार्थं सुलभं समित्कुशं जलान्यपि स्नानविधिक्षमाणि ते।

अपि स्वशक्त्या तपसि प्रवर्तसे शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्॥

अथवा

(Or)

दिवं यदि प्रार्थयसे वृथा श्रमः पितुः प्रदेशास् तव देवभूमयः।

अथोपयन्तारमलं समाधिना न रत्नमन्विष्यति मृग्यते हि तत्॥

(ख) द्रुमेषु सख्या कृतजन्मसु स्वयं फलं तपःसाक्षिषु दृष्टमेष्वपि।

न च प्ररोहाभिमुखोऽपि दृश्यते मनोरथोऽस्याः शशिमौलिसंश्रयः॥

P.T.O.

अथवा

(Or)

द्वयं गतं संप्रति शोचनीयतां समागमप्रार्थनया कपालिनः।

कला च सा कान्तिमती कलावतः त्वमस्य लोकस्य च नेत्रकौमुदी॥

5. कुमारसंभवम् के पञ्चम सर्ग के आधार पर कालिदास के काव्यसौन्दर्य की समीक्षा कीजिए। 10

Write a critical note on the poetic beauty of Kalidasa on the basis of the Vth canto of Kumarsambhavam.

अथवा

(Or)

कुमारसंभवम् के पञ्चम सर्ग के आधार पर शिव-पार्वती संवाद पर प्रकाश डालिए।

On the basis of the Vth canto of Kumarsambhavam throw light on the dialogue between Shiva and Parvati.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 4

Write short notes on any *two* in the following :

(अ) वपुर्विशेषेष्वतिगौरवाः क्रियाः।

(आ) कः करं प्रसारयेत् पन्नगरत्नसूचये।

(इ) मनोरथानाम् अगतिर्न विद्यते।

(ई) न कामवृत्तिर्वचनीयम् ईक्षते।

भाग 'ग'

(Section 'C')

7. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5

Explain the following verses with reference to the context :

निसर्गदुर्बोधमबोधविक्लवाः क्व भूपतीनां चरितं क्व जन्तवः।

तवानुभावोऽयमवेदि यन्मया निगूढतत्त्वं नयवर्त्म विद्विषाम्॥

अथवा

(Or)

तथापि जिह्मः स भवज्जिगीषया तनोति शुभ्रं गुणसम्पदा यशः।

समुन्नयन् भूतिमनार्यसङ्गमाद् वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः॥

8. निम्नलिखित पद्य का अनुवाद कीजिये : 3

Translate the following verse :

न तेन सज्यं क्वचिदुद्यतं धनुः कृतं न वा कोपविजिह्ममाननम्।

गुणानुरागेण शिरोभिरुह्यते नराधिपैर्माल्यमिवास्य शासनम्॥

अथवा

(Or)

कथाप्रसङ्गेन जनैरुदाहृतादनुस्मृताखण्डलसूनुविक्रमः।

तवाभिधानाद् व्यथते नताननः स दुःसहान्मन्त्रपदादिवोरगः॥

P.T.O.

9. वनेचर द्वारा वर्णित दुर्योधन की नीतियों का अपने शब्दों में वर्णन कीजिये। क्या वर्तमान राजनीति में दुर्योधन की नीतियाँ संगत हैं ? 6

Write in your own words the policies of Duryodhana as described by Vanechara. Are the policies of Duryodhana relevant in contemporary politics ?

अथवा

(*Or*)

'भारवेरर्थगौरवम्' उक्ति की समीक्षा कीजिये।

Critically examine the statement 'भारवेरर्थगौरवम्'.

भाग 'ख' तथा भाग 'ग'

(Section 'B' and Section 'C')

10. प्रश्न संख्या **4** तथा **7** में रेखांकित पदों में से किन्हीं **6** पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। 6

Write grammatical notes on any **6** of the underlined words in question No. **4** and **7**.

भाग 'घ'

Section 'D'

11. निम्नलिखित पद्यों में से किसी **एक** का अनुवाद कीजिये : 4

Translate any *one* of the following verses :

(*i*) यदा किञ्चिज्ज्ञोऽहं द्विप इव मदान्धः समभवं

तदा सर्वज्ञोऽस्मीत्यभवदवलिप्तं मम मनः।

यदा किञ्चित् किञ्चिद् बुधजनसकाशादवगतं

तदा मूर्खोऽस्मीति ज्वर इव मदो मे व्यपगतः॥

(*ii*) क्षान्तिश्चेत् कवचेन किं किमरिभिः क्रोधोऽस्ति चेद् देहिनां

ज्ञातिश्चेदनलेन किं यदि सुहृद् दिव्यौषधैः किं फलम्।

किं सर्पैर्यदि दुर्जनाः किमु धनैर्विद्याऽनवद्या यदि

व्रीडा चेत् किमु भूषणैः सुकविता यद्यस्ति राज्येन किम्॥

12. निम्नोक्त पद्य की **संस्कृत** में व्याख्या कीजिए : 5

Explain the following verse into **Sanskrit** :

अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः।

ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्मापि च तं नरं न रञ्जयति॥

अथवा

(*Or*)

जयन्ति ते सुकृतिनो रससिद्धाः कवीश्वराः।

नास्ति येषां यशःकाये जरामरणजं भयम्॥

13. मूर्खों के सम्बन्ध में नीतिशतकम् में वर्णित भर्तृहरि के विचारों पर प्रकाश डालिये। 4

Explain Bhartrihari's views about fools as described in Nitishatakam.

अथवा

(Or)

नीतिशतकम् के अनुसार 'विद्या-धन' का महत्व बताइये।

Describe the importance of 'wealth of knowledge' according to Nitishatakam.